सांध्य दैनिक

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 8 अंक : 336 | इंदौर, गुरुवार 15 जून, 2023 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

Headline

1. Cyclone Biparjoy Live: खतरनाक 'बिपरजॉय' पहुंचा गुजरात के करीब, भारी बारिश और तूफान की चेतावनी
2. UNGA: पीएम मोदी की पहल पर संयुक्त राष्ट्र में बनेगी मेमोरियल वॉल, शांति मिशन के सैनिकों को होगी समर्पित

यातायात पुलिस को जितना चाहिए उतना नहीं मिला बल

ट्रेफिक की बदहाली भुगत रहे वाहन चालक

@ DGR विशेष

इंदौर। पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू होने की शुरूआत से ही जहां सबसे अधिक क्राइम कंट्रोल पर ध्यान दिया गया, वहीं महानगरों की तर्ज पर ट्रेफिक को सुधारने की बात भी कही जा रही थी। इसके चलते ट्रेफिक पुलिस और आरटीओ के साथ ही जिला प्रशासन व नगर निगम के अधिकारियों ने कई योजनाएं भी बनाई और यातायात पुलिस को 190 जवानों का बल भी उपलब्ध करा दिया गया, लेकिन बावजूद इसके शहर के यातायात में कोई खास सुधार नहीं हुआ और अभी भी शहर के अनेक इलाकों, प्रमुख मार्गों सहित अन्य स्थानों पर वाहन चालक ट्रेफिक की बदहाली भुगत रहे हैं।

दरअसल लाख प्रयास के बाद भी शहर में ट्रेफिक सुधारने और व्यवस्थित यातायात के लिए बल की कमी को भी दूर नहीं किया जा रहा है। वर्तमान में केवल इंदौर में ही रजिस्टर्ड वाहनों की संख्या देखें तो लगभग 30 लाख है, जबकि बाहर से आने वाले वाहनों की संख्या अलग है। ऐसे में यातायात पुलिस के पास 649 का बल है, जिसमें अधिकारी और मैदान में उतरकर ड्यूटी करने वाले पुलिसकर्मी शामिल हैं। यानि शहर में रजिस्टर्ड वाहनों की ही संख्या को देख जाए तो औसतन करीब साढ़े चार हजार से अधिक वाहनों पर एक यातायात पुलिसकर्मी के भरोसे ट्रेफिक रहता है।

शहर में सुचारू यातायात हर पुलिस अधिकारी के लिए एक चुनौती ही रहता है। पुलिस दिसंबर 2021 में पुलिस कमिश्नरी प्रणाली लागू होने के बाद माना जा रहा था कि शहर में अपराध कंट्रोल होंगे और ट्रेफिक में सुधार को लेकर भी कमिश्नर प्रणाली में आधुनिक संसाधनों से ट्रेफिक पुलिस लैस होगी और सबसे जरूरी बल की कमी को दूर किया जाएगा, लेकिन देखने में आया है कि बल की कमी दूर करने के नाम पर यातायात विभाग को 190 पुलिसकर्मी मिले। इन्हें मिलाकर वर्तमान में यातायात पुलिस केपास 649 अफसर और पुलिसकर्मी हैं। इनमें से 221 अफसर व उनकी टीम का काम ट्रैफिक संभालना नहीं, सिर्फ इधर-उधर जाकर चालान बनाना है।

■ शेष पेज 4 पर

सारे प्रयास विफल

व्यवस्थित यातायात को लेकर सभी विभागों जिला प्रशासन, नगर निगम, आरटीओ, पुलिस सहित अन्य ने मिलकर कई बार योजनाएं बनाई और वाहन चालकों को नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए अभियान भी चलाए, लेकिन सारे प्रयास उस समय विफल होते नजर आते हैं, जब शहर में ट्रेफिक की जमीनी हकीकत देखें तो केवल बदहाल ट्रेफिक ही नजर आता है।

वाहन चालक भी नियम मानने को तैयार नहीं

अक्सर देखा गया है कि अधिकांश वाहन चालक यातायात के नियम मानने को तैयार नहीं रहते हैं। वे नियमों का पालन तभी करते दिखाई देते हैं, जब चौराहे पर पुलिस जवान की तैनाती हो या फिर चेकिंग चल रही हो। यदि चौराहे पर पुलिसकर्मी तैनात है तो वाहन चालक रेड सिग्नल सहित अन्य नियमों का भी पालन करते हैं, नहीं तो रेड सिग्नल जंप कर चौराहा क्रास करते हैं।

साढ़े चार हजार वाहन पर एक ट्रेफिक पुलिसकर्मी

अधिकारी भी मानते हैं बल की कमी

डीसीपी ट्रैफिक मनीष अग्रवाल का कहना है कि शहर के हिसाब से बल की कमी है। ऐसा नहीं है कि सूबेदार-एसआइ व एएसआइ ट्रैफिक व्यवस्था नहीं संभालते हैं। परेशानी होती है तो उन्हें भी भेजा जाता है। चालान बनाने के साथ वे व्यवस्था भी संभालते हैं। बाहरी इलाके में ज्यादा परेशानी है। यहां थानों की पुलिस के साथ मिलकर काम करेंगे।

राजगढ़ जिला कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व विधायक ब्यावरा के पुत्र थाम सकते हैं "आप" का हाथ

कांग्रेस के लिये एक समय निर्णायक भूमिका निभाने वाले उग्र परिवार की लम्बे समय से उपेक्षा के कारण यह सम्भव हो सकता है

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

राजगढ़/ब्यावरा। कांग्रेस को पहली बार ब्यावरा से जीत दिलाने वाले पूर्व विधायक एवं जिला कांग्रेस के अध्यक्ष स्व. रामकरण जी उग्र का परिवार लम्बे समय से हांसिये पर रहा है। स्व. उग्र जी एक जनप्रिय नेता रहे हैं, उन्होंने एक समय में कांग्रेस को जीवित रखने में स्व. प्रकाशचंद सेठी के साथ इन्दिरा जी की भावना अनुसार कॉग्रेस के लिये कार्य किया। स्व. उग्र ना केवल राजगढ जिले में बल्कि मध्यप्रदेश की राजनीति में एक बड़ा नाम थे।

अलग-अलग चर्चाओं में जानकारी में आया है कि उग्र परिवार के बडे पुत्र एल.एन. उग्र (लक्ष्मीनारायण उग्र) आम आदमी पार्टी का हाथ थाम सकते है। वे कॉलेज की रजनीति में अपना प्रभाव दिखा चुके थे तथा उज्जैन युनिवर्सिटी चुनाव में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। सामाजिक सेवा में वे राष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व कर चुके है वर्तमान में वे सतत् आम आदमी पार्टी के बडे नेताओं के सम्पर्क में हैं। ऐसी भी राजगढ़ जिले तथा मध्यप्रदेश के अनेक नेताओं के सूत्रों से जानकारी ये है कि श्री उग्र के ''आम आदमी पार्टी'' में जाने से प्रदेश स्तर की राजनीति में वे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं तथा संगठन को एक नई दिशा भी दे सकते है। प्रदेश स्तर पर नये स्वरुप में व संगठन मजबूत कर आने वाले चुनाव में अच्छे परिणाम तथा सफलता दिला सकते हैं। देखना है आने वाले दौर में श्री उग्र किसका हाथ थामते हैं। उल्लेखनीय है कि गत दिवस सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव से उनकी भेंट भी चर्चा में है। यह भी चर्चा में है कि श्री उग्र के पिता श्री स्व. श्री रामकरण जी उग्र ने अपने दौर में गोविंद नारायण सिंह, इन्दिरा जी, राजीव जी, श्यामाचरण शुक्ल, प्रकाषचंद सेठी, अर्जुन सिंह, मोतीलाल वोरा आदि के साथ-साथ विपक्ष के नेताओ के साथ भी उनका सम्पर्क था जिनमें सुन्दरलाल पटवा, विरेन्द्र कुमार सकलेचा, व कैलाष जोषी जैसे नेताओ के नाम उल्लेखनीय है। देखना है श्री उग्र किस दल के साथ जाते हैं।

आलाकमान ने तय किया कमलनाथ के चेहरे पर ही कांग्रेस लड़ेगी चुनाव

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। मप्र विधानसभा चुनाव लेकर सियासी बिसात बिछाई जाने लगी है, भाजपा सत्ता को बचाए रखने की जद्दोजहद कर रही है तो कांग्रेस अपनी वापसी के लिए बेताब है। ऐसे में प्रादेशिक नेताओं के साथ ही राष्ट्रीय नेताओं ने भी कमलनाथ के चेहरे पर अपनी मुहर लगा दी है। यानी मप्र में आगामी चुनाव कांग्रेस कमलनाथ के चेहरे और नेतृत्व में ही लड़ेगी। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है की प्रदेश में कांग्रेस के पास फिलहाल कोई और ऐसा चेहरा नहीं है जिसे आगे किया जा सके। कमलनाथ के पास राजनीतिक अनुभव के साथ ही कुशल नेतृत्व की क्षमता भी है। उन्होंने 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को एकजुट कर अपनी सांगठनिक क्षमता भी दिखा दी है। यही नहीं इस बार भी उन्होंने कांग्रेस के सभी क्षत्रपों को एकता के सूत्र में बांधे रखा है।

मप्र में प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने पूरी तरह से चुनावी मोर्चा अपने हाथ में रखा है। वे लगातार दिग्गज नेताओं के साथ समन्वय बनाकर चुनावी रणनीति पर काम कर रहे हैं। इसका असर सोमवार

को आलाकमान के साथ दिल्ली में हुई मप्र के नेताओं की बैठक में भी दिखा। बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ, नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह, अजय सिंह , अरुण यादव, विवेक तन्खा, कांतिलाल भूरिया व अन्य नेता शामिल हुए। सूत्रों का कहना है कि बैठक में मप्र के सभी कांग्रेस नेताओं ने एक सुर में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ के नेतृत्व में चुनाव लड ़ने की बात कही। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी को कमलनाथ को मुख्यमंत्री का चेहरा आधिकारिक तौर पर घोषित करना चाहिए। सूत्रों का कहना है कि बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने इस पर सहमति जताई, हालांकि अभी इसकी औपचारिक घोषणा नहीं की गई। माना जा रहा है कि चुनाव से पहले पार्टी आधिकारिक तौर पर कमलनाथ को एमपी में सीएम फेस की घोषणा कर सकती है।

पार्टी घोषित करेगी सीएम फेस सोमवार को दिल्ली में आलाकमान ने कमलनाथ के नेतृत्व पर जिस तरह से विश्वास जताया है उससे यह तय है कि कांग्रेस उन्हें सीएम फेस घोषित कर सकती है। गौरतलब है कि कांग्रेस में जनवरी की शुरूआत से ही चुनाव में सीएम फेस को लेकर घमासान मचा है। विवाद की शुरूआत तब हुई, जब कमलनाथ समर्थकों ने नए साल की शुरूआत में पूरे प्रदेश में नाथ को भावी मुख्यमंत्री बताते हुए होर्डिंग लगवा दिए। होर्डिंग पर सवाल उठाते हुए पहले पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अरुण यादव और फिर पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने कहा था कि कांग्रेस में चुनाव से पूर्व मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करने की परंपरा नहीं है। हालांकि बाद में पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह सार्वजनिक रूप से कह चुके हैं कि कमलनाथ ही पार्टी का सीएम फेस होंगे।

महापौर ने झोन 02, 12, 14, एवं 15 के विकास कार्यो के संबंध में की समीक्षा बैठक

ठेकेदार को विकास कार्य करने हेतु आगामी 7 दिवस में अनुबंध करें

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर । महापौर पुष्यमित्र भार्गव द्वारा झोन क्षेत्रांतर्गत किये जा रहे विकास कार्यो की झोनवार समीक्षा करते हुए, आज झोन क्रमांक 02, 12, 14 एवं 15 की विभागवार महापौर सभाकक्ष में बैठक ली गई। महापौर श्री भार्गव द्वारा झोनवार झोन स्तरीय समीक्षा के दौरान वार्ड में पूर्व में कितने कार्य स्वीकृत हुए थे, कार्य स्वीकृत होने के उपरांत वर्कऑर्डर जारी होने पर ठेकेदार द्वारा अनुबंध किये जाकर कार्य प्रारम्भ किया कि नही, इसकी भी समीक्षा की गई।

बैठक में महापौर प्रतिनिधि श्री भरत पारख, महापौर परिषद सदस्य श्री राकेश जैन, श्रीमती प्रिया डांगी, पार्षद श्री भरतसिंह रघुवंशी, श्रीमती संध्या यादव, श्री कमलेश कालरा, श्रीमती कंचन गिदवानी, श्रीमती भावना चौधरी, श्रीमती रूपा पाण्डे, श्री अयाज बेग, श्रीमती मीता रामबाबु राठौर, श्रीमती लक्ष्मी संजय वर्मा, श्री नितिन कुमार शानु शर्मा, श्रीमती हरप्रीत कौर लुथरा, श्री योगेश गेंदर, जनकार्य, जलप्रदाय, सीवरेज, उद्यान विभाग प्रमुख, क्षेत्रीय झोनल अधिकारी एवं अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

अमानत राशि जब्त कर टेंण्डर निरस्त करे

महापौर ने बताया की समीक्षा बैठक के दौरान यह तथ्य सामने आने पर कि वर्क ऑर्डर जारी के बाद भी ठेकेदार द्वारा अनुबंध नही किया जाकर, कार्य प्रारम्भ नही किया गया है, ऐसे विकास कार्यो पर महापौर श्री भार्गव द्वारा संबंधित एजेंसी को 7 दिन का नोटिस अनुबंध करने व कार्य प्रारम्भ करने तथा अनुबंध नही करने की स्थिति में अमानत राशि जब्त कि जाकर टेंण्डर निरस्त करने की कार्यवाही करने संबंधित नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गये।

एक फ्लो चार्ट बनाये कि कौन सा कार्य कब तक पूर्ण होगा

उपरोक्त नोटिस पश्चात के भी निर्धारित समयावधि में अनुबंध नही करने पर संबंधित ठेकेदार का टेंण्डर निरस्त कर, अमानत राशि जब्त करने के साथ ही आगामी निगम के टेंडर में भाग नही लेने के संबंध में कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। इसके साथ ही महापौर जी द्वारा विभाग की समीक्षा के दौरान अधिकारियो को निर्देश दिये कि कार्य स्वीकृति से लेकर कार्य की पूर्णता तक की प्रक्रिया को लेकर आप सभी एक फ्लो चार्ट बनाये कि कौन सा कार्य कब तक पूर्ण होगा, ताकि विकास कार्यो को गति मिल सके।

विकास कार्यो की गुणवत्ता की जांच की जावे

महापौर श्री भार्गव द्वारा यह भी निर्देश दिये गये कि जिस प्रकार से मुख्यमंत्री कायाकल्प अभियान के तहत शहर मे किये जा रहे विकास कार्यो की गुणवत्ता की जांच हेतु मोबाईल वेन द्वारा कार्य किया जा रहा है, उसी प्रकार मोबाईल वेन के माध्यम से निगम के अन्य विकास कार्यो की गुणवत्ता की जांच की जावे। ठेकेदार कार्य नही करने पर यदि कारण नगर निगम की ओर से हो तो उसका तत्काल निदान किया जावे, जिससे की ठेकेदार द्वारा कार्य पूर्ण किया जा सके।

दो बाल श्रमिक को कराया मुक्त

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। श्रम विभाग द्वारा इंदौर जिले में बाल श्रम उन्मूलन के लिये अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत आज जामन्या खुर्द खुड़ेल क्षेत्र में एक संस्थान से दो बाल श्रमिक को विमुक्त कराया गया है। उल्लेखनीय है कि विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर विभिन्न संस्थानों के निरीक्षण और बाल तथा किशोर श्रमिकों को विमुक्त कराने की कार्रवाई श्रम विभाग द्वारा लगातार जारी है। सहायक श्रम आयुक्त श्रीमती मेघना भट्ट ने बताया कि उक्त कार्रवाई श्रम निरीक्षक श्री मनोज कुमार बेनावत, सुश्री तृप्ति डाबर एवं श्री छोटेलाल साहू द्वारा की गई। बाल एवं कुमार श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम 1986 के प्रावधानों के अंतर्गत 14 वर्ष से कम उम्र के बालकों का सभी प्रकार के नियोजनों में नियोजन प्रतिबंधित है। साथ ही बताया गया कि 14 से 18 वर्ष के कुमारों का खतरनाक नियोजनों में काम करना प्रतिबंधित है। उक्त धाराओं के उल्लंघन पाये जाने पर 20 हजार रुपए से लेकर 50 हजार रुपए तक का अर्थदण्ड, 6 माह से दो साल तक के कारावास अथवा दोनों से दण्डित करने का प्रावधान है।

पुलिस की मदद से मिला आशियाना

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। इन्दौर शहर में थाने पर फरियाद लेकर आने वाले पीडितो की हरसंभव मदद के निर्देश पुलिस आयुक्त नगरीय इन्दौर श्री मकरंद देऊस्कर द्वारा दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के पालन में थाना भँवरकुआं पर मजदूरी करने वाली पीडिता श्रीमती सविता पाल पति ओमकार पाल निवासी बीजलपुर इन्दौर फरियाद लेकर आए कि उन्होंने 7 वर्ष पूर्व एक प्लाट बिल्डर दृष्टि देवकॉन लिमिटेड इन्दौर से किस्तो में खरीदा था। बिल्डर के व्दारा प्लाट की पूरी राशि लेने के पश्चात भी उसके मालिक पीडिता को प्लाट नही दिया जा रहा था। पुलिस व्दारा पीडिता की हर संभव कार्यवाही करते हुये उसका उक्त प्लाट दिलवाले में उसकी मदद की। अपनी जिंदगी भर की गाढ़ी कमाई से खरीदे उक्त प्लॉट के मिलने पर पीडिता ने सहपरिवार इन्दौर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों व भँवरकुआं पुलिस की कार्यवाही की प्रशंसा करते हुए, पूरी पुलिस टीम को दिल से धन्यवाद दिया गया।

कटाक्ष

बेटे द्वारा सड़क पर मां को पीटने का वीडियो वायरल

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। इंटरनेट मीडिया पर बुधवार को एक युवक द्वारा एक बुजुर्ग महिला को मारने का वीडियो तेजी से वायरल हुआ। इस वीडियो में युवक बुजुर्ग महिला को किसी बात पर पहले लड़ते हुए दिखाई दे रहा है। इसके बाद वह उसे धक्का देता है और झापड़ मारता है। बाद में उसे लात से भी मारते हुए देखा जा रहा है। इस दौरान बुजुर्ग महिला खुद को बचाते हुए और युवक को नहीं मारने की बात कहती दिखाई दे रही है।

इस वायरल पोस्ट में इन्हें मां-बेटा बताया गया है। पूरा मामला चंदन नगर थाना क्षेत्र के नंदन नगर का है। इसमें बेटा सुरेश वर्मा अपनी मां लीलाबाई को पीट रहा है। वायरल पोस्ट के अनुसार सुरेश आए दिन अपनी मां को पीटता है और आस-पास को लोगों से भी अभद्र भाषा में बात करता है। इसमें सरकार से मदद की भी मांग की गई है।

इस वायरल पोस्ट का चंदन नगर थाना पुलिस ने संज्ञान लिया और मामले की जांच की। टीआइ सुनिल शर्मा ने वायरल वीडियो की पुष्टि करते हुए कहा कि वह सुनिल को ढूंढ रहे हैं और मामले की जांच की जाएगी। उन्होंने बताया कि दो दिन पूर्व ही पारिवारिक झगड़े में सुनिल की पत्नी के खिलाफ उसकी जेठानी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

वहीं मां लीलाबाई पुलिस की पूछताछ में बेटे सुनिल को बचाने का प्रयास करती रही। लीलाबाई ने कहा कि बेटा सुनिल शराब के नशे में था और गलती से उसका हाथ उठ गया था। बाद में सुबह उसने अपनी करनी की माफी भी मांग ली थी। वह उस दिन कह रहा था मैं जेवरानी-जेठानी के झगड़े को रोक सकती थी।

कलेक्टर ने ट्विटर पर प्राप्त शिकायत पर लिया संज्ञान

● युवक की समस्या का किया निदान

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। कलेक्टर डॉ. इलैया राजा टी आम जनता की सुनवाई और उनकी शिकायतों के निराकरण में सदैव संवेदनशील रहते हैं। उनके ट्विटर हैंडल पर गत दिवस पर एक युवक के हताशा पूर्ण संदेश पर उन्होंने संज्ञान लिया और युवक को कलेक्टर कार्यालय बुलाकर उसकी समस्याएं सुनी।

हवा बंगले के नजदीक रहने वाले अमन ने कलेक्टर के ट्विटर हैंडल पर कमेंट करते हुए बताया था कि वह एक सिक्युरिटी एजेंसी में काम करता है और उसे उसकी मजदूरी नहीं दी जा रही है। उसने हताशा पूर्ण शब्दों में अपनी स्थिति बयां की थी। कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी ने उसकी शिकायत पर संज्ञान लेते हुए न केवल उसे अपना नंबर दिया अपितु ट्विटर पर ही रिप्लाई करते हुए उसे कलेक्टर कार्यालय आने के लिए कहा। जब अमन कलेक्टर कार्यालय पहुँचा तो डॉ. इलैयाराजा टी ने उनकी समस्याएं सुनी और संबंधित सिक्योरिटी एजेंसी को वेतन भुगतान करने के लिये कहा। कलेक्टर ने युवक को जीवन में संघर्ष करने और हताशा में कोई कदम नहीं उठाने की समझाइश भी दी।

दीर्घकालीन लोक परिवहन सेवा के लिए सुझावों हेतु हुई बैठक

जल्द ही धार्मिक और रमणीय स्थलों हेतु बस सुविधा प्रारंभ होगी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। बुधवार को अटल इंदौर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेस लिमिटेड की प्रबंध निदेशक एवं निगमायुक्त श्रीमती हर्षिका सिंह की अध्यक्षता में सिटी बस सभागार में दीर्घकालीन लोक परिवहन सेवा के संबंध में बैठक संपन्न हुई। जिसमें विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई -

साइकिलों की संख्या बढ़ेगी

ग्रीन मोबिलिटी को बढ़ावा देने हेतु शहर में वर्तमान में एआईसीटीएसएल के माध्यम से 1550 साइकिलें (मायबाइक) संचालित है। पर्यावरण, स्वास्थ्य एवं लास्ट माईल कनेक्टिविटी हेतु इनकी संख्या में वृद्धि की जाएगी।

रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड से भी मिलेगी रेंटल टू व्हीलर

वर्तमान में एआईसीटीएसएल अपने परिसर से 15 आई राइड (रेंटल टू व्हीलर) का संचालन कर रहा है। जल्द ही शहर में बाहर से आने वाले यात्रियों की सुविधा को देखते हुए रेलवे स्टेशन और बस स्टैड पर भी इस प्रकार की सुविधा प्रारंभ की जावेगी।

अब सिटी बसों को भी डिजिटल किया जाएगा

वर्तमान में एआईसीटीएसएल के माध्यम से शहर के आसपास के जिलों सहित विभिन्न राज्यों में बसों का संचालन किया जा रहा है। जल्द ही विभिन्न धार्मिक और रमणीय स्थलों का क्लस्टर बनाकर बसों का संचालन किया जावेगा। जल्द ही आई बसों के साथ ही अब सिटी बसों को भी डिजिटल किया जाएगा। स्मार्ट मोबिलिटी कार्ड, मोबाइल एप्लीकेशन, एडवर्टाइजमेंट और ब्रांडिंग स्थानों के विषय में भी विस्तृत सुझाव आए। बैठक में आई आई टी इंदौर, डब्लू आर आई इंडिया, सी आई आई नई दिल्ली, पी डब्लू सी भोपाल, यू एम टी सी नई दिल्ली के साथ ही बैंकों के अधिकारी उपस्थित रहे।

इंटरनेशनल टेंपल कन्व्हेंशन का आयोजन 22 से 24 जुलाई तक

इंदौर। दुनियाभर के मंदिरों को जोडने वाला व्यासपीठ और पुणे स्थित संस्था टेंपल कनेक्ट की ओर से वाराणसी यहाँ पर 22 से 24 जुलाई 2023 दौरान इंटरनेशनल टेंपल कन्व्हेंशन एंड एक्स्पो (आयटीसीएक्स) का आयोजन किया गया है। मंदिर व्यवस्थापन पर सर्वोत्तम प्रणाली व व्यवस्थापन से निगडीत अंर्तदृष्टी प्राप्त हो इस हेतु से भारत और दुनियाभर के मंदिर व्यवस्थापन इक_ा आने वाले है। इसका उद्घाटन 22 जुलाई को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख डॉ.मोहन भागवत करेंगे. इस अधिवेशन को केंद्र और विविध राज्य के सरकारी प्रतिनिधी भी उपस्थित रहेंगे. भारत सरकार का पर्यटन मंत्रालय इस अधिवेशन के अधिकृत भागीदार है। टेंपल कनेक्ट के संस्थापक गिरीश कुलकर्णी ने कहा की,आयटीसीएक्स का मुख्य उद्दिष्ट भाविकों को अधिक बेहतर अनुभव प्रदान करने के लिए नए युग की कल्पनाओं के साथ मंदिर परिसंस्था को अधिक सक्षम करना है. दुनियाभर से लगभग 350 मंदिर इनमें सहभागी हो रहे है,अब तक 285 मंदिरों ने इस अधिवेशन के लिए पंजीकरण किया है।

सतपुड़ा भवन की पूर्वी विंग में शुरू होंगे दफ्तर

● सैंपल कलेक्ट कर जांच के लिए भेजे गए

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। भोपाल के सतपुड़ा भवन में आग लगने की वजह जानने के लिए बुधवार को भी हाई लेवल कमेटी यहां पहुंची। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देश पर गठित इस कमेटी में शामिल गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव राजेश राजौरा ने बताया, ह्यआज बिल्डिंग की पश्चिमी विंग की तीसरी से छठी मंजिल का तीसरी बार दौरा किया है। 14 सैंपल कलेक्ट कर जांच के लिए फॉरेंसिंक साइंस लैबोरेटरी, सागर भेजे हैं। जांच के बाद इन सैम्पल्स को सील बंद कर सेफ रखने को कहा गया है। राजौरा ने बताया, हमने मंगलवार को भी जांच की थी।

3 दफ्तरों में हेल्थ डायरेक्टोरेट के अधिकारी-कर्मचारी होंगे शिफ्ट

सतपुड़ा भवन में आग लगने से आदिम जाति क्षेत्रीय विकास योजना और स्वास्थ्य संचालनालय का दफ्तर जल गया। सामान्य प्रशासन विभाग ने सतपुड़ा भवन में लगने वाले सभी विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों की मंगलवार-बुधवार को छुट्टी रखी। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों को बैठने के लिए अलग-अलग दफ्तरों में व्यवस्था की गई है।

बिल्डिंग के स्ट्रक्चर को काफी नुकसान, सरिए-पिलर दिखने लगे

सतपुड़ा भवन में शाम करीब 4 बजे लगी आग 20 घंटे तक सुलगती रही थी। आग से बिल्डिंग के स्ट्रक्चर को काफी नुकसान पहुंचा है। अंदर के पिलर और सरिए तक दिखाई देने लगे हैं। बाहर से प्लास्टर उखड़ गया है। ऐसे में कोई अनहोनी का डर हमेशा बना रहेगा। इधर, बिल्डिंग में फायर सेफ्टी के इंतजाम न होने से भी कई सवाल खड़े हो रहे हैं। इमारत के अंदर जाने वाले सभी रास्ते बंद कर दिए गए हैं। मेन गेट पर पुलिस तैनात कर दी गई। एहतियातन बुधवार को भी यहां संचालित दफ्तरों में अवकाश रखा गया। फिलहाल, हेल्थ डायरेक्टोरेट को तीन जगहों पर संचालित करने का निर्णय लिया गया है।

गंगा-जमना मामले में कोर्ट में पेश हुए कलेक्टर-एसपी : बोले-

31 मई तक अपराध नहीं हुआ था, आरोपी पक्ष के वकील बोले- शिक्षकों को बेवजह परेशान किया जा रहा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

दमोह। दमोह के गंगा-जमुना स्कूल से जुड़े विवाद में बुधवार को दमोह कलेक्टर मयंक अग्रवाल, एसपी राकेश कुमार सिंह और कोतवाली टीआई विजय सिंह राजपूत कोर्ट में पेश हुए। न्यायालय ने आरोपी पक्ष के वकीलों की दलील पर इन अधिकारियों से पूछा है कि क्या 31 मई को उन्होंने ट्विटर पर स्कूल में किसी भी तरह की अनियमितताएं न पाने का पोस्ट किया था। जिस पर कलेक्टर एसपी ने हां कहा है। इस मामले में आरोपी पक्ष के वकीलों ने न्यायालय में जो दलीलें पेश की है वह इस प्रकार हैं।

गंगा-जमना स्कूल प्रबंधन से जुड़े मामले में आरोपी पक्ष की पैरवी कर रहे अधिवक्ता गजेंद्र चौबे ने बताया कि शुरूआत में एक शिकायत की गई थी, जिसमें छात्राओं को हिजाब पहनाने की बात सामने आई थी। इस मामले में कलेक्टर ने जांच कराई और उसके बाद एक ट्वीट किया, जिसमें स्कूल में किसी भी तरह की अनियमितताएं न होना पाया गया था। मैंने न्यायालय के सामने बात रखी कि 30 मई को जो रिपोर्ट पेश की गई थी उसमें किसी भी तरह की अनियमितता नहीं पाई गई थी। उसके बाद राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने जिला प्रशासन को गंगा जमना स्कूल प्रबंधन के ऊपर करने के लिए दबाव बनाया और उसके बाद एफआइआर कार्रवाई शुरू हो गई।

न्यायालय में कलेक्टर-एसपी ने कहा है कि हां बात बिल्कुल सही है। 31 मई तक स्कूल में किसी भी तरह का अपराध होना घटित नहीं पाया था। अधिवक्ता चौबे ने न्यायालय में दलील दी कि उसके बाद भी इन्वेस्टिगेशन शुरू की गई, जिसमें किसी की कोई शिकायत नहीं थी। पहली बार जो एफआइआर हुई है उसमें किसी का भी नाम नहीं है फिर भी शिक्षकों को पकड़ कर उन्हें परेशान किया गया है।

अधिवक्ता ने कोर्ट को बताई हिजाब की परिभाषा

अधिवक्ता गजेंद्र चौबे ने न्यायालय को बताया कि आईपीसी में हिजाब की कोई परिभाषा नहीं है। हम अपने चेहरे को ढ़कने के लिए जो कपड़ा बांधते हैं उसे हिजाब कहते हैं।

8 वर्षीय बालिका से दुष्कर्म मामला

कांग्रेस विधायक पैदल मार्च कर पहुंचे कलेक्ट्रेट

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

रतलाम। रतलाम के बड़ोदिया गांव में 8 वर्षीय बालिका से दुष्कर्म के मामले में जमकर राजनीति हुई। प्रीत को आर्थिक सहायता ,आरोपी को फांसी देने और उसका मकान तोड़े जाने की मांग को लेकर पहले सर्व समाज और दलित संगठनों ने कलेक्ट्रेट में धरना प्रदर्शन किया। उसके बाद कांग्रेस विधायक और कमलनाथ सरकार में पूर्व मंत्री रहे कमलेश्वर पटेल भी स्थानीय नेताओं के साथ दुष्कर्म पीड़िता से मिलने मेडिकल कॉलेज रतलाम पहुंच गए। जिसके बाद रतलाम कलेक्टर के मेडिकल कॉलेज नहीं पहुंचने से नाराज कांग्रेस विधायकों ने रातभर मेडिकल कॉलेज परिसर में ही धरना दिया। पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल इस बात पर अड़े हुए थे कि कलेक्टर मेडिकल कॉलेज आए और पीड़िता के परिजनों की समस्या का समाधान करें।

वहीं, प्रशासन ने दुष्कर्म के आरोपी राजेंद्र सिंह के मकान को जमींदोज कर बड़ी कार्यवाही को अंजाम दे दिया। जिसके बाद कांग्रेस के विधायक कमलेश्वर पटेल हर्ष विजय गहलोत मनोज चावला और कांतिलाल भूरिया स्थानीय कांग्रेस नेताओं के साथ पैदल मार्च कर कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचे। जहां इन विधायकों ने दुष्कर्म पीड़िता को एक करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता दिए जाने और आरोपी पर फास्ट ट्रैक कोर्ट में प्रकरण चलाकर उसे फांसी दिए जाने की मांग की है। हालांकि पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल कलेक्टर को हटवाने के लिए अनिश्चितकालीन धरने पर बैठने की बात से मुकर गए।

कलेक्टर के रतलाम मेडिकल कॉलेज नहीं पहुंचने पर पूर्व मंत्री ने कांग्रेस विधायक हर्ष विजय गहलोत और स्थानीय कांग्रेस नेताओं के साथ मेडिकल कॉलेज परिसर में ही धरना शुरू कर दिया। प्रशासन के अधिकारियों ने पूर्व मंत्री को इस मामले में की गई कार्यवाही से अवगत भी कराया लेकिन पूर्व मंत्री कलेक्टर के मौके पर आकर माफी मांगने की बात पर अड़ गए और फोन पर कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी को धमकी भी दे डाली। पूर्व मंत्री ने फोन पर कहा कि जब तक आकर यहां माफी नहीं मांगोगे हम धरने पर बैठे रहेंगे और आपको लेकर ही जाएंगे, अब आप कलेक्टर नहीं रहोगे और ना ही कभी बन पाओगे ।

बैंक मैनेजर की पत्नी ने 6वीं मंजिल से छलांग लगाई

● सिर के बल गिरी, मौत; सुसाइड नोट में लिखा- फैमिली को नहीं लाना था आप लोगों को, मिस यू

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन। उज्जैन में एक बिल्डिंग की छठी मंजिल से कूदकर महिला ने सुसाइड कर लिया। घटना मंगलवार देर रात 10.30 बजे की है। बैंक मैनेजर पति घर में ही थे। उनकी चीख सुनकर बिल्डिंग के लोग इकट्ठा हुए और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने सुसाइड नोट भी जब्त किया है। महिला ने परिवार के लिए लिखा- ह्यये कदम उठाना आसान नहीं था, मिस यू...।ह्व

30 साल की शिल्पा राजपूत 7 महीने पहले पति मोहित राजपूत के साथ इंदौर रोड हरी फाटक फोरलेन स्थित हाईराइज बिल्डिंग में रहने आई थी। आत्महत्या का कारण पारिवारिक समस्या बताया जा रहा है। शिल्पा वर्क फ्रॉम होम प्राइवेट जॉब करती थी। पति घट्टिया क्षेत्र स्थित यूको बैंक में मैनेजर हैं।

मौके से पुलिस ने जो सुसाइड नोट जब्त किया है, उसमें शिल्पा ने लिखा है- ह्यमेरे लिए आसान नहीं था ये बिल्कुल, बहुत कोशिश की, फैमिली को नहीं लाना था आप लोगों को, मुझे कोई शिकायत नहीं है किसी से,आप लोग मुझे माफ करना, मिस यू।ह्व सुसाइड नोट के आधार पर ही पुलिस ने यह आशंका जताई है कि पारिवारिक कारण ही मौत की वजह हो सकती है।

सिर के बल गिरने से मौके पर मौत-

घटनास्थल से पुलिस ने ब्लड जब्त किया है। अधिकारी प्रीति गायकवाड़ भी मौके पर पहुंचीं। महिला सिर के बल गिरी थी। इससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस सुसाइड नोट की जांच करवाएगी। पुलिस को ये भी पता चला है कि दोनों 7 महीने पहले किराए पर रहने आए, लेकिन किराएदार की सूचना पुलिस को नहीं दी थी।

पति कुछ बताने की स्थिति में नहीं- महिला की 2 साल पहले ही शादी हुई थी। मायका हातोद में बताया गया है। उरढ सचिन परते ने बताया कि घटना को लेकर परिजन के बयान के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। पति फिलहाल कुछ कहने की स्थिति में नहीं है। कमरा सील कर दिया है।

7 महीने पहले रहने आए किराएदार की भी सूचना नहीं दी- घटना के बाद मौके पर पहुंची नीलगंगा पुलिस ने हाईराइज बिल्डिंग के मैनेजर विजय से सवाल किया कि संबंधित परिवार कब से रह रहा था। सब इंस्पेक्टर मकाश्रे को मैनेजर ने बताया कि छह-सात महीने पहले ही रहने आए थे। पुलिस ने पूछा कि किराएदार की सूचना दी थी या नहीं। इस पर मैनेजर ने कहा कि सूचना नहीं दे पाए थे। पुलिस इस संदर्भ में भी संबंधित के खिलाफ जांच कर एक्शन लेगी।

प्रथम पेज का शेष

यातायात पुलिस को जितना चाहिए.....

आधुनिक संसाधनों से मिल रही राहत

वाहन चालकों से यातायात के नियमों का पालन कराने और सुचारू यातायात के लिए जहां पुलिस कमिश्नरी प्रणाली लागू होने के बाद बल बढ़ाया गया है, वहीं आधुनिक संसाधनों का भी इसके लिए उपयोग किया जा रहा है, जिससे राहत भी मिल रही है। इसमें सबसे प्रमुख चौराहों पर लगे आरएलवीडी कैमरे हैं, जिनकी सहायत से रेड सिग्नल जंप करने वालों पर ई चालान भेजकर कार्रवाई की जाती है। वर्तमान में इस कार्रवाई को और भी सख्त करते हुए जब भी कोई वाहन चालक रेड सिग्नल जंप करते पकड़ाता है तो उससे एक साथ सारे ई चालान की राशि जमा कराई जाती है, तभी वाहन को छोड़ा जाता है।

32 प्रमुख चौराहों पर लगेंगे सिंक्रोनाइज इंटेलिजेंट ट्रैफिक सिग्नल

इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम से ट्रैफिक को बेहतर बनाने के साथ शहर में प्रवेश करने वाले प्रमुख 10 चौराहों पर विशेष चौकसी निगरानी का इंतजाम भी किया जाएगा। इसके अलावा ट्रैफिक पुलिस द्वारा इनका डाटा भी सुरक्षित रखा जाएगा। इन आधुनिक कैमरों के माध्यम से पुलिस को अपराध कर भागने वालों की धरपकड़ और जांच में भी पूरी मदद मिलेगी। इस नए सिस्टम में पुलिस गुम वाहन, संदिग्ध वाहन की जानकारी वाले 'हाट लिस्टेड नंबर' को फीड कर देगी। जैसे ही वह वाहन इन कैमरों के सामने से गुजरेगा पुलिस को अलर्ट मिल जाएगा। इस तरह अपराधियों को पकडऩे में भी यह सिस्टम काफी कारगर रहेगा। इसमें इंदौर व प्रदेश ही नहीं देशभर के हाट लिस्टेट नंबर को डालकर संदिग्ध वाहन की पहचान की जा सकेगी। साथ ही चौराहों का ट्रैफिक कंट्रोल में भी बड़ी सहायता मिलेंगी।

आइटीएमएस प्रोजेक्ट के तहत 30 करोड़ रुपये से ज्यादा की लागत से विशेष ट्रैफिक सिग्नल व सीसीटीवी कैमरे लगाने की तैयारी चल रही है।स्मार्ट सिटी कंपनी द्वारा निजी कंपनी को ठेका दिया जाएगा। जिसको लेकर तैयारियां अंतिम दौर में चल रही है। टेंडर प्रक्रिया के बाद जल्द काम शुरू होगा। प्रोजेक्ट से जुड़े अफसरो के मुताबिक पुलिस अफसरों के साथ 10 प्रमुख मार्गो पर सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए सर्वे कार्य भी हो गया हैं।

50 स्थानों का चयन

इसके अलावा विशेष तरह के ट्रैफिक सिग्नल व कैमरे लगाने के लिए 50 स्थानों का चयन भी किया जा रहा है। इसमें बीआरटीएस के 12 चौराहे भी शामिल है। आइटीएमएस प्रोजेक्ट के तहत शहर में लगाए जाने वाली ट्रैफिक सिग्नल व सीसीटीवी कैमरों को एआइसीटीएसएल परिसर में बने कंट्रोल कमांड सेंटर से जोड़ा जाएगा। यहां बैठे पुलिसकर्मी 24 घंटे वाहनों की आवाजाही के साथ शहर की गतिविधियों की निगरानी कर सकेंगे। शहर में प्रवेश के मार्गो पर लगे कैमरों का डाटा भी कुछ दिनों तक स्टोर कर रखा जाएगा।

MORARI BAPU

सत्य-प्रेम-करुणा...

समर्थ वह होता है जिसमें
राम-सा स्वभाव हो,
कृष्ण-सा प्रभाव हो,
महादेव-सा सद्भाव हो,
कामना का अभाव हो और
हरिनाम के प्रति लुभाव हो।

साभार - Chitrakutdham Talgajarda

व्यक्तित्व विशेष

तारकनाथ दास

(जन्मः 15 जून, 1884 - मृत्युः 22 दिसम्बर, 1958) भारत के प्रसिद्ध क्रान्तिकारियों में से एक गिने जाते हैं। अरविन्द घोष, सुरेन्द्रनाथ बनर्जी तथा चितरंजन दास इनके घनिष्ठ मित्रों में से थे। क्रान्तिकारी गतिविधियों के कारण इन्होंने अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी थी, लेकिन बाद में पुनः अध्ययन प्रारम्भ कर इन्होंने पी.एच. डी. की उपाधि प्राप्त की थी। तारकनाथ दास पर अमेरिका में मुकदमा चला था, जहाँ इन्हें क़ैद की सज़ा सुनाई गई थी। तारकनाथ दास बड़े प्रतिभाशाली विद्यार्थी थे। छात्र-जीवन में ही उनका संपर्क अरविन्द घोष, सुरेन्द्रनाथ बनर्जी और चितरंजन दास जैसे नेताओं से हुआ। देशभक्ति के रंग में रंगे इन नेताओं के सम्पर्क में आकर तारकनाथ दास क्रान्तिकारी आंदोलन में सम्मिलित हो गए और देश के क्रान्तिकारी सिपाही बन गए।

संपादकीय

विसंगतियां पैदा हो गई

स्थापत्य, आयुर्वेद, भारतीय दर्शन, दस्तकारी, कृषि, पशुपालन, बागवानी आदि के विभिन्न क्षेत्रों में ऐसी अनेक प्राचीन ज्ञान परंपराएं बिखरी पड़ी हैं, जो रोजगार की दृष्टि से भी उपयोगी हो सकती हैं। सबसे बड़ी बात कि इससे समाज और जीवन के आधारभूत तत्त्व मजबूत होंगे। जीवन और समाज में इसलिए बहुत सारी विसंगतियां पैदा हो गई हैं कि हमने अपने परिवेश से अलग सभ्यता और संस्कृति को अपनाने और उसके मुताबिक जीने का प्रयास किया है। हकीकत यह है कि रोजगार के बहुत सारे अवसर तकनीकी ज्ञान पर आधारित होते गए हैं। इस तरह पाठ्यक्रमों में उसी प्रकार के पाठ शामिल किए जाते हैं, जो आगे चल कर विभिन्न अवसरों पर विद्यार्थियों के काम आ सकें। फिर, जिस तरह शिक्षा को लेकर पूरी दुनिया में प्रयोग हो रहे हैं, उसमें कौशल विकास के नाम पर ज्यादातर औद्योगिक जरूरतों को ध्यान में रखा जाता है। खासकर उच्च शिक्षा में उन्हीं पाठ्यक्रमों में अधिक भीड़ देखी जाती है, जिन्हें पढ़ कर विद्यार्थियों को ऊंचे वेतन वाली नौकरी पाने की संभावना अधिक रहती है। इस तरह धीरे-धीरे पारंपरिक भारतीय ज्ञान परंपरा लगभग लुप्त होने को है। अच्छी बात है कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने उस ज्ञान परंपरा को सहेजने की पहल की है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी ने देश के सभी विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों को निर्देश जारी किया है कि वे अपने पाठ्यक्रमों में भारतीय पारंपरिक ज्ञान को समाहित करने का प्रयास करें। खासकर स्नातक स्तर पर ऐसे पाठ जरूर शामिल किए जाएं। संभव है, कुछ लोगों को यह निर्देश नागवार गुजर सकता है, मगर इस जरूरत से इंकार नहीं किया जा सकता कि आज जिस तरह ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में परस्पर आवाजाही बढ़ी है और पुरानी सभ्यता और संस्कृतियों से बहुत कुछ लेने का प्रयास किया जा रहा है, उसमें भारतीय ज्ञान परंपरा को पाठ्यक्रमों में समाहित करने से परहेज क्यों होना चाहिए। चिकित्सा, खगोल विज्ञान, स्थापत्य, रसायन विज्ञान आदि क्षेत्रों में भारत की ज्ञान परंपरा आज भी दुनिया के लिए आकर्षण का विषय है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजंसी अगर प्राचीन भारतीय खगोल विज्ञान की स्थापनाओं के आधार पर अंतरिक्ष के रहस्यों को सुलझाने का प्रयास कर रहा है, तो हमें उसे पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाने से क्यों गुरेज होना चाहिए। अगर योग विज्ञान को दुनिया भर के चिकित्सा विज्ञान ने एक कारगर पद्धति मान लिया है, तो उससे जुड़े पाठ हमें क्यों नहीं पढऩे चाहिए।

अर्ज़ किया है..!

मिलाते हो उसी को ख़ाक
में जो दिल से मिलता है
मिरी जाँ चाहने वाला बड़ी
मुश्किल से मिलता है

-दाग़ देहलवी

धर्म-कर्म

गुरु प्रदोष व्रत आज

इस विधि से करें पूजा- अर्चना

हर माह में दो बार प्रदोष व्रत पड़ता है। एक कृष्ण पक्ष में और एक शुक्ल पक्ष में। साल में कुल 24 प्रदोष व्रत पड़ते हैं। आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष का प्रदोष व्रत कल यानी 15 जून को है। 15 जून को गुरुवार है, इसलिए इस प्रदोष व्रत को गुरु प्रदोष व्रत के नाम से जाना जाएगा। प्रदोष व्रत भोले शंकर को समर्पित होता है। आषाढ़ माह में पड़ने वाले प्रदोष व्रत का बहुत अधिक महत्व होता है। आइए जानते हैं गुरु प्रदोष व्रत की पूजा- विधि और सामग्री की पूरी लिस्ट....

मुहूर्त- आषाढ़, कृष्ण त्रयोदशी प्रारम्भ - 08:32 ए एम, जून 15

आषाढ़, कृष्ण त्रयोदशी समाप्त - 08:39 ए एम, जून 16

प्रदोष काल- प्रदोष व्रत में प्रदोष काल में ही पूजा का विशेष महत्व होता है। प्रदोष काल संध्या के समय सूर्यास्त से लगभग 45 मिनट पहले शुरू हो जाता है। कहा जाता है कि प्रदोष काल में भगवान शिव की पूजा करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है।

प्रदोष व्रत का महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सप्ताह के सातों दिन के प्रदोष व्रत का अपना विशेष महत्व होता है। प्रदोष व्रत करने से संतान सुख की प्राप्ति होती है। इस व्रत को करने से संतान पक्ष को भी लाभ होता है। इस व्रत को करने से भगवान शंकर और माता पार्वती की विशेष कृपा प्राप्त होती है।

प्रदोष व्रत पूजा- विधि

सुबह जल्दी उठकर स्नान कर लें। स्नान करने के बाद साफ- स्वच्छ वस्त्र पहन लें। घर के मंदिर में दीप प्रज्वलित करें। अगर संभव है तो व्रत करें। भगवान भोलेनाथ का गंगा जल से अभिषेक करें। भगवान भोलेनाथ को पुष्प अर्पित करें। इस दिन भोलेनाथ के साथ ही माता पार्वती और भगवान गणेश की पूजा भी करें। किसी भी शुभ कार्य से पहले भगवान गणेश की पूजा की जाती है। भगवान शिव को भोग लगाएं। इस बात का ध्यान रखें भगवान को सिर्फ सात्विक चीजों का भोग लगाया जाता है। भगवान शिव की आरती करें। इस दिन भगवान का अधिक से अधिक ध्यान करें।

प्रदोष व्रत पूजा- सामग्री

अबीर, गुलाल, चंदन, अक्षत, फूल, धतूरा, बिल्वपत्र, जनेऊ, कलावा, दीपक, कपूर, अगरबत्ती, फल

आर्थिक तंगी लाती हैं घर में मौजूद ये तस्वीरें, बर्बाद होने से पहले कर दें बाहर

अक्सर लोग घर की साज-सज्जा में कई तरह की पेंटिंग व चित्र लगाते हैं। लेकिन कई बार अनजाने में कुछ ऐसी तस्वीरों को घर पर लगा लेते हैं जो कि वास्तु दोष का कारण बनती हैं। घर में चित्र लगाने के वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ नियम हैं, जिनका पालन करने से घर में सकारात्मक वातावरण बना रहता है। आप भी जानें घर में किस तरह की तस्वीरों को लगाना माना जाता है शुभ-अशुभ:

1. घर में शेर, चीते, भालू आदि हिंसक जानवरों के चित्र नहीं लगाने चाहिए। प्राकृतिक दृश्यों, फूलों आदि के चित्र शुभ होते हैं।
2. लड़ाई के युद्ध के मैदान आदि के चित्र कभी नहीं लगाने चाहिए। आसमान में ऊपर उड़ते हुए पक्षियों के चित्र लगाना शुभ होता है। यह प्रगति का सूचक होता है।
3. उगते हुए सूरज का चित्र लगाना बहुत शुभ फलदायी होता है।

दक्षिण दिशा से जुड़े वास्तु टिप्स

दक्षिण मुखी घर को आमतौर पर लोग अशुभ मानते हैं, परंतु ऐसा नहीं है। यदि वास्तु शास्त्र के अनुसार घर बनाया जाए तो सब ठीक होता है।

1. दक्षिण दिशा की दीवार सबसे ऊंची होनी चाहिए। इस दिशा में खिड़कियां नहीं होनी चाहिए या कम होनी चाहिए। इस दिशा के द्वार में दहलीज जरूर बनवाएं यह बहुत शुभ होता है।
2. दक्षिण मुखी द्वार पर हनुमान जी का चित्र लगाना शुभ होता है। इस दिशा में बोरिंग, सेप्टिक टैंक अथवा कोई गड्ढा नहीं होना चाहिए। इस दिशा में नीले, काले रंग का प्रयोग नहीं करें। लाल या क्रीम रंग अच्छा होता है।

Highlights

1. Khalistan supporter Avtar Singh who pulled down Tricolour at Indian embassy in London dies
2. Residence of Manipur's only woman minister Nemcha Kipgen set on fire
3. Conversion racket accused has 30 Pak contacts in phones: UP Police
4. Anand Mahindra shares his AI-generated picture, says 'It's going to be a scary future'
5. Which states have withdrawn general consent to CBI ?
6. Astronaut shares pics of cyclone Biparjoy taken from space

Building in India is the way to make an impact: Jay Vitale, CEO of Air For Life

NEW DElHI, (Agency). Born in the UK, into a Gujarati family that's spent most of their time in Rajasthan, Jay Vitale who is the CEO of British clean air tech company Air For Life wants to give something back to the community. The mission for philanthropy does require another chapter to precede it, one that's yet to be written. This is something that's perplexing Vitale too, but he admits, luck hasn't played its part. At least not yet. The unique air purification technology may prove to be a solid foundation to build with.

"There's no greater need for our products than India," says Vitale. Data doesn't make for pretty reading. India has as many as 14 cities in the list of the 20 most polluted cities in the world globally, according to the latest World Health Organisation (WHO) and IQAir World Air Quality Report.

Air purifiers should be selling more than they do, though market numbers do indicate a higher adoption rate in the past couple of years. It is a market that's dominated by a mix of legacy

electronics brands such as Philips, Sharp and Honeywell, those who claim to be air quality specialists such as Dyson, IQAir and Blueair, as well as plucky new-age tech companies such as Xiaomi.

The company hopes its technology will play a role in differentiation. Unlike other home and commercial air purifiers which use multiple layers of filters, often the fabric HEPA (or high-efficiency particulate air filter) or a variation of metal mesh, Air For Life uses an evolution of something NASA used in the Mars Rover in 2020. It is called PCO, or photocatalytic oxidation. It was used in space, to filter an indoor gas emission, called ethylene. Incidentally, a lot of the fresh fruits and vegetables, ripen because of this gas.

"India is the hottest market for us to get into you know, we're even happy to lower the cost price, so that we're able to have some kind of market entry into India," says Vitale, a generous dose of regret all too apparent. "I'm willing to do whatever it takes really, to be honest with you. It's just that we need to be paired with the right support," Vitale's grit unmistakable. "We've fine-tuned and improved the original NASA technology by converting it into a nano technology. We've made sure that there's no harmful by-products because normally this kind of technology produces ozone," says Vitale.

RBI chief Shaktikanta Das conferred 'Governor of the Year' award in London

NEW DElHI, (Agency). RBI Governor Shaktikanta Das, who was chosen for the prestigious Governor of the Year Award 2023 earlier this year, has said that central banks at the core of monetary and financial systems have been called to do "heavy lifting" well beyond their traditional mandate.

Das was conferred the award by 'Central Banking' which definitively covers and analyses issues around the

world's central banks and financial regulators following the summer meetings of the organisation in London on Tuesday.

When the award was announced in March, the organisers said that the Reserve Bank of India Governor is being honoured because he has cemented critical reforms, overseen world-leading payments innovation and steered India through difficult times with a steady hand and well-crafted turn of phrase.

"COVID had a devastating impact worldwide, and densely populated India looked particularly vulnerable. It was in managing this crisis that Das had perhaps his greatest impact, appearing as a voice of calm amid the fear, and steering the RBI deftly between intense political pressures on one side and economic disaster on the other," 'Central Banking' said in a statement.

New Delhi

Uniform Civil Code: सार्वजनिक व धार्मिक संगठनों से 30 दिनों में मांगे गए सुझाव, विधि आयोग ने शुरू की कवायद

नई दिल्ली, (एजेंसी) विधि आयोग ने बुधवार को समान नागरिक संहिता के मसले पर नए सिरे से परामर्श मांगने की प्रक्रिया शुरू की है। आयोग ने सार्वजनिक व धार्मिक संगठनों से इस मुद्दे पर राय मांगी है। केंद्र ने एक बयान में कहा, ''शुरू में भारत के 21वें विधि आयोग ने समान नागरिक संहिता पर विषय की पड़ताल की थी और 07.10.2016 को प्रश्नावली और उसके बाद 19.03.2018, 27.03.2018 और 10.4.2018 को सार्वजनिक अपील/नोटिस के साथ अपनी अपील के माध्यम से सभी हितधारकों के विचार मांगे थे।

बयान में कहा गया है, ''पूर्व की कवायदों के तहत आयोग को भारी प्रतिक्रियाएं मिली हैं। 21वें विधि आयोग ने 31.08.2018 को 'परिवार कानून के सुधार' पर परामर्श पत्र जारी किया है। चूंकि उक्त परामर्श पत्र जारी करने की तारीख से तीन साल से अधिक समय बीत चुका है, इस विषय की प्रासंगिकता और महत्व और इस विषय पर विभिन्न अदालती आदेशों को ध्यान में रखते हुए, भारत के 22 वें विधि आयोग ने इस विषय पर नए सिरे से विचार-विमर्श करना उचित समझा है। आयोग ने लोगों को अगले 30 दिनों में समान नागरिक संहिता पर अपने सुझाव भेजने के लिए नोटिस जारी किया है।'

इच्छुक संगठन 30 दिनों के भीतर दे सकते हैं अपना सुझाव- भारत के 22वें विधि आयोग ने समान नागरिक संहिता के बारे में बड़े पैमाने पर जनता और मान्यता प्राप्त धार्मिक संगठनों के विचारों को जानने का फिर से फैसला किया है। जो लोग इच्छुक हैं वे नोटिस की तारीख से 30 दिनों की अवधि के भीतर अपने विचार आयोग को भेज सकते हैं।

Uttarakhand

उत्तराखंड में लव जिहाद के खिलाफ महापंचायत पर रोक के लिए 'लॉकडाउन', क्या करेंगे हिंदू संगठन?

उत्तराखंड, (एजेंसी) उत्तराखंड के उत्तरकाशी में तनाव बरकरार है। पुरोला में लव जिहाद के खिलाफ हिंदू समुदाय की ओर से बुलाई गई महापंचायत पर रोक के बावजूद तनाव बरकार है। धारा 144 लगाए जाने के बाद शहर में सन्नाटा है।

उत्तराखंड में लव जिहाद के खिलाफ महापंचायत पर रोक के लिए 'लॉकडाउन', क्या करेंगे हिंदू संगठन?

उत्तरकाशी। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में तनाव बरकरार है। पुरोला में लव जिहाद के खिलाफ हिंदू समुदाय की ओर से बुलाई गई महापंचायत पर रोक के बावजूद तनाव बरकार है। प्रशासन की ओर से धारा 144 लगाए जाने के बाद शहर में सन्नाटा है। गुरुवार सुबह हालात 'लॉकडाउन' जैसे नजर आए। सभी दुकानें बंद दिखीं तो लोग अन्य दिनों की तरह घरों से बाहर नहीं दिखे। पुरोला को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। चप्पे-चप्पे पर सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एक दिन पहले ही साफ कर दिया कि किसी को कानून हाथ में लेने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

पिछले महीने एक हिंदू नाबालिग बच्ची के अपहरण की कोशिश के बाद शुरू हुआ तनाव अब तक बरकरार है। इलाके में पोस्टर लगाकर मुसलमानों के खिलाफ धमकी भरे पोस्टर लगा दिए गए। तब से ही मुस्लिम समुदाय की दुकानें बंद हैं तो करीब एक दर्जन परिवार पालय भी कर चुका है।

Jammu

किश्तवाड़ के 350 से ज्यादा स्कूलों के भवनों में दरारें, चिनाब वैली में 19 घंटे में छह बार भूकंप

जम्मू, (एजेंसी) जम्मू संभाग में 19 घंटे में छह बार भूकंप के झटके लगे। पहला झटका डोडा जिले में मंगलवार दोपहर 1.33 बजे लगा। इसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.4 थी। एक दिन बाद बुधवार को भूकंप के 5 और झटके लगे। किश्तवाड़ में भूकंप ने भारी क्षति पहुंचाई है। मुख्य शिक्षा अधिकारी किश्तवाड़ प्रह्लाद भगत के अनुसार यहां 350 से अधिक सरकारी स्कूलों में भारी नुकसान पहुंचा है। मकानों और सरकारी कार्यालयों में भी दरारें आई हैं। प्रशासन ने डोडा, भद्रवाह व किश्तवाड़ के शैक्षणिक संस्थानों को एहतियातन एक दिन के लिए बंद कर दिया है। भूकंप के लगातार झटकों के कारण कई लोगों ने खुले में रात बिताई। डोडा के उपायुक्त विशेष महाजन और एसएसपी डोडा अब्दुल कयूम ने बुधवार को गंदोह इलाके का दौरा कर क्षतिग्रस्त इमारतों का जायजा लिया।

Uttarpradesh

आग में जिंदा जला सोता हुआ पूरा परिवार, 5 बच्चों समेत 6 की मौत

कुशीनगर, (एजेंसी) कुशीनगर में रामकोला नगर पंचायत के उर्दहा वार्ड नंबर दो बापूनगर निवासी नवमी की झोपड़ी के घर में बुधवार की देर रात करीब 12.30 बजे संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई। इसमें झुलस कर पांच मासूम बच्चों समेत उसकी पत्नी की मौत हो गई। भोर में एसपी व डीएम ने उर्दहा गांव पहुंच घटना की जानकारी ली। पुलिस में छह शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

रामकोला थाना क्षेत्र के उर्दहा गांव निवासी सरयू खटीक के दो बेटे हैं। इनमें एक बेटा परिवार लेकर लुधियाना पंजाब रहता है। दूसरा नवमी अपनी पत्नी संगीता (38), बेटी अंकिता (10), लक्ष्मीन (9), रीता(3), गीता (2) और एक साल के बेटे बाबू के साथ गांव में रहता था। सरयू और उसकी पत्नी बगल की अलग झोपड़ी में रहते हैं।

नवमी ने बताया कि तीन दिन से पत्नी से उसका किसी बात को लेकर विवाद चल रहा है। पत्नी ने अपने मायके इसकी जानकारी दी तो वहां से नवमी को कहा गया कि संगीता को मायके पहुंचा दो। नवमी ने इंकार कर दिया। गुस्से में संगीता ने बुधवार की रात खाना नहीं बनाया। नवमी ने दिन का बचा चावल नमक और प्याज बच्चों को खिलाया और झोपड़ी के बाहर पेड़ के नीचे चटाई बिछाकर बच्चों के साथ सो गया।

खेल

2025 और 2029 में इंग्लैंड दौरे पर टेस्ट सीरीज खेलेगी टीम इंडिया

इन छह मैदानों पर होंगे मैच

लंदन, (एजेंसी) इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने 2025 से 2031 तक होने वाली घरेलू सीरीज के लिए मैदानों का चुनाव कर लिया है। ईसीबी ने बुधवार (14 जून) को इसकी घोषणा की। इसमें 2025 और 2029 में होने वाला भारत का इंग्लैंड दौरा भी शामिल है। टीम इंडिया इन दो दौरों पर कुल 10 टेस्ट मैच खेलेगी। इसका आयोजन यूनाइटेड किंगडम (यूके) के छह अलग-अलग मैदानों पर होगा।

2025 में जब टीम इंडिया इंग्लैंड दौरे पर जाएगी तो उसे लॉर्ड्स, ओवल, एजबेस्टन, हेडिंग्ले और ओल्ड ट्रैफर्ड (मैनचेस्टर) में टेस्ट मैच खेलेगी। वहीं, 2029 में भारतीय टीम जब इंग्लैंड जाएगी तो उसके मैदान में सिर्फ एक बदलाव होगा। लॉर्ड्स, ओवल, एजबेस्टन, ओल्ड ट्रैफर्ड में तो फिर से टेस्ट मैच होंगे। वहीं, एक मैच साउथम्पटन में भी खेला जाएगा।

एशेज के लिए मैदान तय- 2027 में यूके में अगली एशेज सीरीज लॉर्ड्स, द ओवल, एजबेस्टन, ट्रेंट ब्रिज और साउथम्पटन में खेली जाएगी। साउथम्पटन में पहली बार एशेज टेस्ट का आयोजन होगा। 2031 की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया की टीम लॉर्ड्स, द ओवल, ओल्ड ट्रैफर्ड, हेडिंग्ले और ट्रेंट ब्रिज में एशेज टेस्ट खेलेगी।

16 जून से ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड में मैच

एशेज सीरीज की बात करें तो इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच सीरीज 16 जून से खेला जाएगा। दोनों टीमें एजबेस्टन में आमने-सामने होंगी। इसके बाद 28 जून से लॉर्ड्स में दूसरा टेस्ट खेला जाएगा। वहीं, छह जुलाई से तीसरा टेस्ट हेडिंग्ले (लीड्स) में आयोजित होगा। 19 जुलाई से दूसरा टेस्ट ओल्ड ट्रैफर्ड (मैनचेस्टर) में खेला जाएगा। सीरीज का अंतिम और पांचवां टेस्ट 27 जुलाई से ओवल में आयोजित होगा।

सिनेमा

गायिका शारदा का 89 साल की उम्र में निधन, 'तितली उड़ी' से मिली थी घर-घर में पहचान, कैंसर से थीं जूझ रहीं

सिंगर शारदा राजन आयंगर का निधन हो गया है और 89 की उम्र में उन्होंने अपनी आखिरी सांस ली। बुधवार को उनके आवास पर निधन हो गया। गायिका की बेटी सुधा मदेरिया ने बताया कि वह कैंसर से जूझ रही थीं। हिन्दी फिल्म 'सूरज' (1966) के गीत 'तितली उड़ी' से उन्हें हर घर में पहचान मिली थी। पेशे से गायिका मदेरिया ने पीटीआई/भाषा को बताया, 'बुधवार सुबह मुंबई में अपने घर पर उन्होंने अंतिम सांस ली। उनका पिछले करीब छह महीने से (कैंसर का) इलाज चल रहा था।' मदेरिया ने अपनी मां के निधन की सूचना पहले इंस्टाग्राम पर साझा की। उन्होंने लिखा, ''बेहद दुख के साथ मेरा भाई शम्मी राजन और मैं अपनी प्यारी मां, गायिका शारदा राजन की कैंसर से लंबी लड़ाई के बाद निधन की सूचना साझा कर रहे हैं। 25-10-1933 से 14-06-2023। ओम शांति।'' शारदा के नाम से प्रसिद्ध शारदा राजन 1960 और 1970 के दशक में हिन्दी फिल्म जगत में सक्रिय रहीं। उनका सबसे लोकप्रिय गीत 1966 में आयी फिल्म 'सूरज' का 'तितली उड़ी' था। शारदा को 1970 में आयी फिल्म 'जहां प्यार मिले' में हेलेन पर फिल्माए गए गीत 'बात जरा है आपस की' के लिए सर्वश्रेष्ठ गायिका का फिल्म फेयर पुरस्कार भी मिला था। उनके अन्य लोकप्रिय गीतों में फिल्म एन इवनिंग इन पेरिस का 'ले जा ले जा ले जा मेरा दिल', फिल्म गुमनाम का गीत ' आ आयेगा कौन यहां ', फिल्म दिल दौलत दुनिया का गीत ' मस्ती और जवानी हो उमर बड़ी मस्तानी हो' और फिल्म सपनों का सौदागर का गीत ' तुम प्यार से देखो' शामिल है।

ब्राउन शुगर वाली मुन्नी को जेल भेजा

रिमांड के दौरान उगले राज, राजस्थान में नशे के सौदागरों की तलाश

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। राजेन्द्र नगर इलाके में सौ ग्राम ब्राउन शुगर के साथ एक मुन्नी नामक महिला को पकड़ा है। महिला से ड्रग्स सप्लाय की नई चेन का खुलासा होने की उम्मीद है। महिला ने रिमांड के दौरान पुलिस को उस नेटवर्क के बारे में भी बताया है जो उसे ड्रग्स उपलब्ध कराती है। पुलिस की एक टीम इन लोगों को पकडऩे के लिए एक टीम राजस्थान भेजी है। रिमांड खत्म होने के बाद कल उसे जेल भेज दिया गया।

सेंडल में थी दस लाख की ब्राउन शुगर राजेंद्र नगर और राऊ इलाके में नशे का कारोबार करने वाली एक महिला को रविवार को राऊ पुलिस ने पकड़ा है। पुलिस ने जांच की तो ब्राउन शुगर नहीं मिली। लेकिन जब पुलिस ने उसकी सैंडल चैक की। पुलिस को दाएं पैर की सेंडल में सोल के नीचे दबी हुई सौ ग्राम ब्राउन शुगर मिली। इसकी बाजार में कीमत 10 लाख से ज्यादा है। महिला इस ब्राउन शुगर छोटी-छोटी पुडिय़ा बनाकर सप्लाय करती है। उसकी सबसे ज्यादा सप्लाय राऊ और राजेंद्र नगर में रहने वाले युवाओं और स्टूडेंट के बीच में है।

महिला के पकड़ाने के बाद राजेंद्र नगर थाने में पूछताछ की थी। आरोपी महिला मुन्नीबाई ने बताया कि वह राजेंद्र नगर रेलवे ब्रिज के नीचे रहती है। वह पहले भी चरस, गांजा और अवैध शराब बेचने के मामले में जेल जा चुकी है। उस पर 20 से अधिक केस दर्ज हैं। राऊ पुलिस ने उसका दो दिन का रिमांड लिया था। इधर मंगलवार को उसे कोर्ट में पेश किया गया था। यहां से उसे जेल भेज दिया गया।

राऊ पुलिस ने आरोपी महिला मुन्नी बाई से रिमांड में ब्राउन शुगर को लेकर पूछताछ की। जिसमें उसने राजस्थान के तस्करों की जानकारी दी थी। बुधवार को डीसीपी आदित्य मिश्रा ने एक टीम बनाकर राजस्थान भेज दी। जहां राऊ पुलिस की टीम इंदौर में ब्राउन शुगर सप्लाय करने वालों की घेराबंदी में लगी हुई है।

नशेडिय़ों ने बताया था नाम

बताया जाता है कि पिछले दिनों राऊ इलाके में ब्राउन शुगर पीने वाले कुछ युवकों को पुलिस ने पकड़ा था। पूछताछ करने पर उन्होंने मुन्नीबाई का नाम बताया था। अफसरों से बात कर मामले में मुन्नीबाई के यहां दबिश दी गई। जिसमें वह पकड़ा गई। फिलहाल डीसीपी का इस मामले में कहना है कि ब्राउन शुगर को लेकर लिंक ट्रेक करने में लगे हुए हैं।

युवक ने की खुदकुशी, युवती के परिजन पर धमकाने का आरोप

इंदौर। नंदन नगर में रहने वाले एक डॉग वेनडरस ने जहर खाकर अपनी जान दे दी। आरोप है कि वह इलाके में रहने वाली एक युवती से कुछ सालों से उसका अफेयर था। वह उससे शादी करना चाहता था। लेकिन 15 दिन में दो बार युवती के भाई ओर पिता ने उसे धमकाया था। घर पर लड़के मारपीट के लिये भेजे थे। बुधवार दोपहर उसे एक कॉल आया ओर वह घबराते हुए घर आया। जिसके बाद उसने जहर खा लिया। परिजन उसे अस्पताल ले गए। यहां देर शाम उसकी मौत हो गई। चदंन नगर पुलिस के मुताबिक सुजल(22) पुत्र राजू बहेनिया ने जहर खाकर अपनी जान दे दी। परिवार में मामा अजय ने बताया कि सुजल डॉग वेनडर्स का काम करता था। बुधवार को उसने जहर खा लिया था। उसकी तबीयत बिगड़ी ओर उसे अस्पताल ले जाया गया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। अजय ने आरोप लगाया कि करीब 15 दिन पहले सुजल की एक युवती के भाई ने पिटाई कर दी थी। जिसमें कुछ लड़के भी धमकाने के लिये घर भेजे थे। सुजल ओर उसके माता पिता उनके घर आ गए थे। दो दिन पहले भी युवती से बात करने को लेकर उसे रास्ते में रोककर धमकाया गया था। मामले में सुजल ने किसी तरह की शिकायत नही की थी। लेकिन वह काफी डरा हुआ था। बुधवार दोपहर भी उसे किसी का कॉल आया था। वह घबराते हुए घर आया ओर उसने गलत कदम उठा लिया।

सात साल से फरार प्लाट धोखाधड़ी का आरोपी नागपुर से गिरफ्तार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। प्लाट के नाम पर लोगों की जीवनभर की पूंजी हड़पने वाले शातिर भूमाफिया सुरेश डोईफोड़े को राऊ पुलिस की टीम ने नागपुर से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी केस दर्ज होने के बाद सात साल से फरार चल रहा था।

टीआई नरेन्द्रसिंह रघुवंशी के अनुसार भूमाफिया सुरेश डोईफोडे (49) नि. वर्धा रोड बुटी बोरी स्थायी पता रायल्टी अपार्टमेन्ट नागपुर व्दारा वर्ष 2011 में आटमक्वील नामक आवासीय कालोनी विकसित करने के नाम से लोगों से करोडो रुपये के प्लाटो का अनुबन्ध कर रुपये ले लिए व फरार हो गया था। उसके विरुद्ध 2017 में धारा 420,406,120-बी भादवि का अपराध पंजीबध्द किया गया था। आरोपी सात साल साल से फरार था, जिसकी गिरफ्तारी के लगातार प्रयास किये गये परन्तु उसका कही पता नही चल पा रहा था। आरोपी की गिरफ्तारी हेतु अधिकारियों ने इनाम की घोषणा भी की थी। उसकी आरोपी की तलाश हेतु वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में एक बार फिर टीम गठित कर योजनाबद्ध तरीके से लगाया गया। टीम ने अथक प्रयास करते हुए 13 जून को सुरेश डोईफोडे को नागपुर से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी द्वारा थाना हातोद क्षेत्र में भी इस प्रकार की धोखाधड़ी की गई है, जहां प्रकरण पंजीबद्ध हैं। फिलहाल आरोपी के खिलाफ विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

दुकानदारों से रंगदारी करने वाले पकड़ाए

पुलिस ने निकाला जुलूस, माफी मांगते नजर आए

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। खजराना में सोशल मिडिया पर कुछ दिन पहले एक वीडियो वायरल हुआ था। जिसमें इलाके में बीजेपी नेता के बेटे दुकानदारों से मारपीट करते नजर आए थे। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई। इधर दुकानदारों को फरारी के बाद भी बदमाश धमका रहे थे। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को बुधवार रात गिरफ्तार कर लिया है। उनसे एअरगन ओर देशी कट्टा भी बरामद किया गया है। आरोपियों का टीआई ने इलाके में जुलुस निकाला इस दौरान वह व्यापारियों से माफी मांगते नजर आए। उन्होंने अपराध नही करने की कसम भी खाई।

खजराना टीआई दिनेश वर्मा के मुताबिक पकड़ाए आरोपियों का नाम समीर उर्फ सोनू पुत्र समद लोधी निवासी हिना कॉलोनी, शाहनवाज उर्फ रेहान पुत्र मोहम्मद शकील निवासी आजाद नगर और वसीम उर्फ अलीशान पुत्र अख्तर शेख निवासी आजाद नगर है। टीआई के मुताबिक आरोपियों ने 31 मई को खजराना मार्केट में व्यापारियों के साथ विवाद कर अवैध वसूली की मांग करते हुए रंगदारी की थी। आरोपियों से हथियार भी बरामद किये गए है।

कपड़ा व्यापारी को बुरी तरह से मारा था

समीर उर्फ सोनू के पिता समद लोधी बीजेपी से जुड़ें हुए है। कुछ दिन पहले सोनू इलाके के व्यापारियों के पास पहुंचा था। यहां कि आसिफ की किड्स वेअर शॉप पर पहुंचकर वहां काम करने वाले कर्मचारियों को रूपये देने की बात पर धमकाया था। बाद में आसिफ को यह बात पता चली थी। जिसके बाद आसिफ ने समीर ओर उसके साथियों से बात की। इस बात पर समीर नाराज हो गया। वह अपने साथियों को बुलाकर लाया ओर अवैध हथियारों के साथ इलाके में व्यापारियों को धमकाने लगा। इसके बाद आसिफ ओर उसके कर्मचारियों से मारपीट कर फरार हो गया।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था वीडियो

समीर ओर उसके साथियों का वीडियो कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। व्यापारी आसिफ ने बताया था कि फरारी के दौरान आरोपी उन्हें गुडों से धमका रहे है। टीआई दिनेश वर्मा ने व्यापारियों को समझाइश देकर आरोपी समीर ओर अन्य लोगो के ठिकानो पर दबिश दी। जिसके बाद रात में इलाके से ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

लापता की मिली लाश

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। बुधवार को सुपर कॉरिडोर पर मिले एक व्यक्ति के शव मामले में पुलिस को हत्या की आशंका दिख रही है। पुलिस मृतक की पहचान घनश्याम गौर निवासी गंगाबाग बाणगंगा के रूप में की है। अफसरों के मुताबिक घनश्याम के भाई ने बताया कि एक दिन पहले से वह घर नहीं पहुंचा था। पुलिस को शंका है कि घनश्याम की हत्या कहीं और की गई है। हत्या के बाद शव को सुपर कॉरिडोर पर लाकर फेंका गया है। हालांकि पुलिस को घनश्याम के शरीर पर चोट के निशान नहीं मिले हैं। इधर पुलिस उसकी शॉर्ट पीएम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

5 लाख की ब्राउन शुगर के साथ 6 गिरफ्तार

इंदौर। मादक पदार्थो की खरीद-फरोख्त पर रोक लगाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे आपरेशन प्रहार के तहत क्राइम ब्रांच और आजादनगर थाने की पुलिस टीम ने छह तस्करों को गिरफ्तार कर 51 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त की है, जिसकी कीमत 5 लाख रुपे बताई जा रही है। क्राइम ब्रांच अधिकारियों के अनुसार मुखबिर की सूचना पर टीम ने घेराबंदी कर शाहरुख खा नि. मुसाखेड़ी, रितिक नरवले नि. पालदा, गब्बर नि. मुसाखेड़ी, करिश्मा नि. मुसाखेड़ी, धर्मेंद्र नि. मुसाखेड़ी और शैलेंद्र कुशवाह को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की तलाशी में कुल 51 ग्राम अवैध मादक पदार्थ जब्त हुआ है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि ये नशा वे बस्तियों में और आसपास के कस्बों में करते थे। आरोपियों के विरुद्ध आजादनगर थाने पर एन.डी.पी.एस एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर जांच की जा रही है।

महिला की चेन लूटने वाला पकड़ाया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। एक महिला की चेन लूट कर भाग रहे बदमाश मौके पर ही पकड़ा गए। उनकी जनता ने जमकर पिटाई की और पुलिस को सौंपा। बदमाशों से अन्य वारदातों के बारे में पूछताछ की जा रही है।

अन्नपूर्णा पुलिस ने बताया कि रेखा पति राजेंद्र कासलीवाल निवासी शिवम अपार्टमेंट विनय नगर की शिकायत पर बदमाश विवेक पिता महेश धाकड़ और अंकित दोनों निवासी सनावद के खिलाफ हमला कर लूट की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है । फरियादिया ने पुलिस को बताया कि आरोपी पल्सर मोटरसाइकिल से उसके पास आए और पीछे बैठे बदमाश ने उनके गले से चेन और धक्का देकर भागे। वह जमीन पर गिर गई थी उन्होंने शोर मचाया तो लोगों ने मौके से भाग रहे बदमाशों की घेराबंदी की। एक बदमाश मौके पर ही पकड़ा गया। जबकि दूसरे को बाद में पुलिस ने हिरासत में ले लिया । दोनों बदमाश सनावद से इंदौर आ कर लूटपाट किया करते थे उनसे पूछताछ जारी है।

DGR
Detective Group Report
सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

दैनिक समाचार पत्र/न्यूज़ पोर्टल/न्यूज़ चैनल
Daily Newspaper
www.dgr.co.in
Worldwide News portal
www.detectivegroupreport.com
Worldwide Youtube channel
https://youtube.com/c/DETECTIVEGROUPREPORT

समाचार, विज्ञापन और समूह से जुड़ने के लिए संपर्क करें
+91 91110 30505
Email-: dgrnewsnetwork@gmail.com

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं 406- इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ प्रबंध संपादक - महेन्द्र आर.पालीवाल, ■ समूह PRO - एल.एन. उग्र ■ फोन : 0731-2433667 ■*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।